पद परिचय

पद-परिचय को समझने से पहले शब्द और पद का भेद समझना आवश्यक है।

शब्द- वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।
शब्द भाषा की स्वतंत्र इकाई होते हैं जिनका अर्थ होता है।

पद – जब कोई शब्द व्याकरण के नियमों के अनुसार प्रयुक्त हो जाता है तब उसे पद कहते हैं।
उदाहरण-राम, पत्र, पढ़ना – शब्द हैं।
राम पत्र पढ़ता है।
राम ने पत्र पढ़ा-इन दोनों वाक्यों में अलग-अलग ढंग से प्रयुक्त होकर राम, पत्र और पढ़ता है पद बन गए हैं।
पद-परिचय- वाक्य में प्रयुक्त पदों का विस्तृत व्याकरणिक परिचय देना ही पद-परिचय कहलाता है।

.

व्याकरणिक परिचय क्या है?

वाक्य में प्रयोग हुआ कोई पद व्याकरण की दृष्टि से विकारी है या अविकारी, यदि बिकारी है तो उसका भेद, उपभेद, लिंग, वचन पुरुष, कारक, काल अन्य शब्दों के साथ उसका संबंध और अविकारी है तो किस तरह का अव्यय है तथा उसका अन्य शब्दों से क या संबंध है आदि बताना व्याकरणिक परिचय कहलाता है।
पदों का परिचय देते समय निम्नलिखित बातें बताना आवश्यक होता है –

1. संज्ञा–तीनों भेद, लिंग, वचन, कारक क्रिया के साथ संबंध।
2. सर्वनाम-सर्वनाम के भेद, पुरुष, लिंग, वचन, कारक, क्रिया से संबंध।

3. विशेषण-विशेषण के भेद, लिंग, वचन और उसका विशेष्य।
4. क्रिया-क्रिया के भेद, लिंग, वचन, पुरुष, काल, वाच्य,धातु कर्म और कर्ता का उल्लेख।
5. क्रियाविशेषण-क्रियाविशेषण का भेद तथा जिसकी विशेषता बताई जा रही है, का उल्लेख।
6. समुच्चयबोधक-भेद, जिन शब्दों या पदों को मिला रहा है, का उल्लेख।
7. संबंधबोधक-भेद, जिसके साथ संबंध बताया जा रहा है, का उल्लेख।
8. विस्मयादिबोधक-हर्ष, भाव, शोक, घृणा, विस्मय आदि किसी एक भाव का निर्देश।

सभी पदों के परिचय पर एक संक्षिप्त दृष्टि –
सभी पदों को मुख्यतया दो वर्गों में बाँटा जा सकता है –

अ. विकारी
ब. अविकारी शब्द या अव्यय

अ. विकारी

इस वर्ग के पदों में लिंग, वचन, पुरुष, कारक आदि के कारण विकार आ जाता है। संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियाविशेषण विकारी पद हैं।

1. संज्ञा- किसी प्राणी, व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

	भेद		**उदाहरण**
1.	व्यक्तिवाचक संज्ञा	—	राम, आगरा, दिल्ली, गांधी जी, गंगा, हिमालय आदि।
2.	**जातिवाचक संज्ञा**	—	**बालक, अध्यापक, शहर, नेता जी, नदी, पर्वत, सागर आदि।**
3.	**भाववाचक संज्ञा**	—	**बचपन, अपनापन, घृणा, प्रेम, मित्रता, मज़बूती, सफ़ाई आदि।**

ध्यान दें-द्रव्य, पदार्थ, धातुएँ तथा समूह का बोध कराने वाले शब्द कक्षा, सेना, भीड़ आदि जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत आती हैं।

लिंग-संज्ञा के जिस रूप से उसके स्त्री या पुरुष जाति का होने का पता चले, उसे लिंग कहते हैं; जैसे- बालक-बालिका।

भेद **उदाहरण**

पुल्लिंग — अध्यापक, सेवक, महाराज, कवि विद्वान, सम्राट, गायक आदि।

स्त्रीलिंग — अध्यापिका, सेविका, महारानी, कवयित्री, विदुषी, सम्राज्ञी, गायिका आदि।

ध्यान दें — राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, इंजीनियर, मैनेजर, सचिव, क्लर्क आदि का प्रयोग दोनों लिंगों के साथ किया जाता है।

वचन — संज्ञा के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं; जैसे—पुस्तक-पुस्तकें।

भेद **उदाहरण**

एकवचन — कलम, दवात, कुरसी, नारी, दवाई, घोड़ा, मटका, सड़क आदि।

बहुवचन — कलमें, दवातें, कुरसियाँ, नारियाँ,दवाइयाँ, घोड़े, मटके, सड़कें आदि।

ध्यान दें—भीड़, जनता, सेना, कक्षा आदि सदा **एकवचन** में और आँसू, बाल, दर्शन, हस्ताक्षर आदि **बहुवचन** में प्रयुक्त होते हैं।

कारक-वाक्य में संज्ञा आदि शब्दों का क्रिया से संबंध बताने वाला व्याकरणिक कोटि कारक कहलाता है।

	भेद	कारक-चिह्न (परसर्ग)	उदाहरण	
1.	कर्ता कारक	ने, अथवा कुछ नहीं	**राम** फल खाता है।	**सुमन ने** पत्र लिखा।
2.	कर्म कारक	को अथवा कुछ नहीं	वह **फल** खाती हो।	उसने **बच्चे को** मारा।
3.	करण कारक	से, के द्वारा	उसने **चाकू से** फल काटा।	यह सवाल **राम के द्वारा** हल किया गया।
4.	संप्रदान कारक	को, के लिए	किसान **गाय के लिए** चारा लाया।	उसने **भिखारी को** दान दिया।
5.	अपादान कारक	से (अलगाव), में, पर	गंगा हिमालय से निकलती है। **तालाब में** कमल खिले हैं।	**पेड़ पर** पक्षी बैठे हैं।
6.	संबंध कारक	का, की, के, रा, री, रे	ये **राम की** पुस्तकें हैं।	
7.	संबोधन कारक	हे! अरे!	साथियो! मेरी बात ध्यान से सुनो।	अरे! सूरज निकल आया।

2. सर्वनाम- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं; जैसे-मैं, हम, ये कुछ आदि।

भेद		उदाहरण
1. पुरुषवाचक सर्वनाम	—	मैं, मेरा, हम, तुम, वह, वे, उनका आदि।
(i) उत्तम पुरुषवाचक	—	(बोलने वाला) — मैं, हम
(ii) मध्यम पुरुषवाचक	—	सुनने वाला—तुम, आप
(ii) अन्य पुरुषवाचक	—	(जिसके विषय में बात की जाए) — वह, वे
2. निश्चयवाचक सर्वनाम	—	यह, ये, वह, वे
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम	—	कोई, कुछ
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम	—	क्या, कौन, किसे, किसको आदि।
5. संबंधवाचक सर्वनाम	—	जिसकी...उसकी, वह...जो, जैसी...वैसी आदि।
6. निजवाचक सर्वनाम	—	खुद, स्वयं, अपने आप, स्वतः आदि।

3. विशेषण- संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं; जैसे-मीठा, परिश्रमी, काला, मोटा आदि।

भेद		उदाहरण
1. गुणवाचक विशेषण	—	रंगीन, हवादार, शांत, मौसमी, ठंडा, भव्य, विशाल, कुशल, आलसी।
2. संख्यावाचक विशेषण	—	
(क) अनिश्चित संख्यावाचक	—	कुछ, कई, अनेक, बहुत, से आदि।
(ख) निश्चित संख्यावाचक	—	दस, पाँच, चौथा, चौगुना, दोनों, प्रत्येक आदि।
3. परिमाणवाचक विशेषण	—	
(क) अनिश्चित परिमाणवाचक	—	कम, थोड़ा, कुछ, अधिक, तनिक, ज़रा-सा आदि।
(ख) निश्चित परिमाणवाचक	—	एक मीटर, पावभर, दो किलो, चार लीटर आदि।
4. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण	—	यह घर, ये छात्र, वह घर, वे कुरसियाँ आदि।

प्रविशेषण- विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं; जैसे –

- यह आम बहुत मीठा है।
- उड़ीसा में आया तूफ़ान अत्यधिक भयावह था।
- इस साल बिलकुल कम वर्षा हुई।

4. क्रिया – जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का पता चले, उसे क्रिया कहते हैं; जैसे- लिखना, पढ़ना, बोलना, स्नान करना आदि।
धातु – क्रिया का मूल रूप धातु कहलाता है। इसी में 'ना' लगाने पर क्रिया का सामान्य रूप बनता है।

धातु + ना = सामान्य रूप
पढ़ + ना = पढ़ना
लिख + ना = लिखना

(क) कर्म के आधार पर क्रिया भेद –

अकर्मक क्रिया- हँसाना, रोना, भागना, दौड़ना, कूदना, उछलना, बैठना आदि।
सकर्मक क्रिया- पढ़ना, लिखना, खाना, पीना, बनाना, बुनना, देना, तोड़ना आदि।

(ख) बनावट के आधार पर क्रिया भेद

1. मुख्य क्रिया – टूट गया, रोता रहा, चल दिया, खा लिया आदि।
2. संयुक्त क्रिया – कर लिया, सो गया, काट लिया, गाता गया आदि।
3. प्रेरणार्थक क्रिया – लिखवाना, कटवाना, बनवाना, पढ़वाना, चलवाना।
4. नामधातु क्रिया – फ़िल्माना, शरमाना, लजाना, हिनहिनाना आदि।
5. पूर्वकालिक क्रिया – पढ़कर, खाकर, नहाकर, पीकर, देखकर आदि।

काल-क्रिया होने के समय को काल कहते हैं।

भेद		उदाहरण
वर्तमान काल	—	पढ़ता है, लिख रहा है, जाता है, उड़ रहे हैं, आ रही है आदि।
भूतकाल	—	पढ़ती थी, लिख रही थी, जाती थी, उड़ रहे थे, आ रही थी आदि।
भविष्यत् काल	—	पढ़ेगा, लिखेगा, जाएगा, उड़ेंगे, आएगी, आएँगी आदि।

ब – अविकारी शब्द या अव्यय

अव्यय वे शब्द होते हैं, जिन पर लिंग, वचन, काल, पुरुष आदि का कोई असर नहीं होता है।
जैसे – प्रातः, अभी, धीरे-धीरे, उधर, यहाँ, परंतु, और, इसलिए आदि।

अव्यय के भेद – क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक तथा निपात अविकारी शब्द हैं।

1. क्रियाविशेषण–क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं; जैसे- बहुत, धीरे-धीरे, उधर, प्रातः आदि।

भेद		उदाहरण
कालवाचक क्रियाविशेषण	—	कभी-कभी, अभी, प्रातः, सायं, आजकल, प्रतिदिन आदि।
रीतिवाचक क्रियाविशेषण	—	धीरे-धीरे, सरपट, अचानक, भली-भाँति, जल्दी से आदि।
स्थानवाचक क्रियाविशेषण	—	उधर, ऊपर, नीचे, इधर, बाहर, भीतर, आसपास आदि।
परिमाणवाचक क्रियाविशेषण	—	थोड़ा, बहुत, कम, अत्यधिक, जितना, उतना आदि।

2. संबंधबोधक – जो अव्यय संज्ञा या सर्वनाम के बाद प्रयुक्त होकर वाक्य के अन्य संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के साथ संबंध बताते हैं, उन्हें संबंधबोधक कहते हैं।
जैसे – विद्यालय के पास बगीचा है।
मंदिर के सामने फूल खिले हैं।

मुझे सुमन के साथ बाज़ार जाना है।
इसके अतिरिक्त, के अलावा, के भीतर, के बारे में, के विपरीत, के बदले, की तरह, की तरफ, के बाद आदि संबंधबोधक हैं।

3. समुच्चयबोधक – जो अव्यय दो शब्दों, दो पदबंधों या दो अव्ययों को जोड़ने का कार्य करते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक कहते हैं; जैसे – और, तथा, किंतु, परंतु अथवा आदि।

भेद	उदाहरण		
(क) समानाधिकरण समुच्चयबोधक	जोड़ने वाले	—	और, तथा, एवं
	विरोधदर्शक	—	किंतु, परंतु, लेकिन, मगर
	विकल्पबोधक	—	अथवा, या, नहीं तो, अन्यथा
	परिणामदर्शक	—	इसलिए, अतः, फलतः, अन्यथा
(ख) व्यधिकरण समुच्चयबोधक	हेतुबोधक	—	क्योंकि, इसलिए, इस कारण
	संकेतबोधक	—	यद्यपि–तथापि, यदि...तो।
	उद्देश्यबोधक	—	ताकि, जिससे, कि
	स्वरूपबोधक	—	अर्थात् मानो, यानि कि

4. विस्मयादिबोधक – जिन अव्यय शब्दों से आश्चर्य, हर्ष, घृणा, पीड़ा आदि भाव प्रकट हों, उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं; जैसे – ओह, अरे, अहा, हाय आदि।

भाव		**विस्मयादिबोधक अव्यय**
आश्चर्य (विस्मय)	—	अरे! ओह!, हैं!, क्या!
उल्लास, हर्ष	—	वाह! अहा!, खूब!, बहुत अच्छा!
शोक, पीड़ा	—	हाय!, आह!, उफ!, हायराम!
घृणा, तिरस्कार	—	छिः!, छिक्कार!, हट!
चेतावनी	—	हटो!, बचो!, सावधान!, खबरदार!
स्वीकृति	—	अच्छा!, ठीक!, बहुत अच्छा!
प्रशंसा	—	शाबास!, सुंदर!, बहुत बढ़िया!
संबोधन	—	हे!, अरे!, सुनो!

5. निपात-वे अव्यय शब्द जो किसी शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ पर बल लगा देते हैं, उन्हें निपात कहते हैं। ही, तो, भी, तक, मात्र, भर आदि मुख्य निपात हैं।

प्रयोग वैशिष्ट्य के कारण पद-परिचय में अंतर:
कभी-कभी प्रयोग में विशिष्टता के कारण भी पदों के परिचय में अंतर आ जाता है। इस अंतर को प्रकट करने वाले कुछ उदाहरण देखिए –

1. और –
सर्वनाम – औरों की बात मत कीजिए।
विशेषण – और लोग कब आएँगे?
क्रियाविशेषण – मैं अभी और खाऊँगा।
समुच्चयबोधक – सुमन आई और उपहार देकर चली गई।

2. अच्छा –
संज्ञा – अच्छों की शरण में जाओ।
विशेषण – कुछ अच्छे काम कर लिया करो।
क्रियाविशेषण – वह बहुत अच्छा नाची।
विस्मयादिबोधक – अच्छा! तुम्हारी इतनी हिम्मत!

3. कुछ –
सर्वनाम – खाने को कुछ दे दीजिए।
विशेषण – कुछ छात्र जा चुके हैं।
संज्ञा – कुछ के लिए जलपान का प्रबंध है।
क्रियाविशेषण – कुछ पढ़ो तो सही।

4. बहुत –
संज्ञा – मैंने बहुतों को देखा है।
सर्वनाम – बहुत हो चुका।
विशेषण – बहुत अनाज खराब हो गया।
क्रियाविशेषण – हाथी बहुत खाता है।

5. ऐसा –
संज्ञा – ऐसो को मैंने बहुत देखा है।
सर्वनाम – ऐसा नहीं होगा।
विशेषण – ऐसा साँप पहली बार देखा।
क्रियाविशेषण – ऐसा मत कीजिए।

6. वह –
सर्वनाम – वह आ गया।
विशेषण – वह घर हमारा है।

पदों का व्याकरणिक परिचय:

(क) निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन अंशों का व्याकरणिक परिचय दीजिए –

1. उदिता यहाँ बच्चों को पढ़ाती थी।
उदिता- व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'पढ़ाती थी' का कर्ता।
बच्चों को- जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्म कारक।
पढ़ाती थी- सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग अन्य पुरुष, कर्तृवाच्य, कर्ता-उदिता

2. मधुकर यहाँ पिछले साल रहता था।
मधुकर- व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक, 'रहता था' क्रिया का कर्ता।
यहाँ- क्रियाविशेषण, स्थान सूचक, 'रहना' क्रिया का निर्देश करने वाला।
रहता था- अकर्मक क्रिया, एकवचन पुल्लिंग, अन्य पुरुष, भूतकाल, कर्तृवाच्य, कर्ता 'मधुकर'।

3. रामचरितमानस की रचना तुलसीदास के द्वारा की गई।
रामचरितमानस- व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक।
तुलसीदास के द्वारा- व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, करण कारक।
की गई- संयुक्त क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मवाच्य, अन्य पुरुष।

4. वह दौड़कर विद्यालय गया।
वह- अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक, 'गया' क्रिया का कर्ता।
दौड़कर- पूर्वकालिक क्रिया, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'गया' क्रिया की विशेषता बता रहा है।
गया- मुख्य क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल, कर्तृवाच्य, 'कर्ता' वह।

5. बाग में कुछ लोग बैठे थे।
बाग- जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।
कुछ- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, 'विशेष्य' लोग।

लोग- जातिवाचक संज्ञा पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक।
बैठे थे- अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल, कर्ता लोग।

6. मैं आपको कुछ रुपये दूंगा।
मैं- उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक, 'दूंगा' क्रिया का कर्ता।
आपको- मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम एकवचन पुल्लिंग, स्त्रीलिंग संप्रदान कारक।
कुछ– अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, विशेष्य रुपये।
रुपये- जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, विशेष्य, विशेषण-कुछ
दूंगा- सकर्मक क्रिया, एकवचन पुल्लिंग कर्तृवाच्य, भविष्यतकाल, कर्ता मैं।

7. जब हम रेलवे स्टेशन पहुँचे गाड़ी छूट रही थी।
जब- कालवाचक क्रियाविशेषण, पहुँचने के समय का उल्लेख करने वाला।
हम- उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, कर्ताकारक, पुल्लिंग, पहुँचे क्रिया का कर्ता।
रेलवे स्टेशन- जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, कर्मकारक, पुल्लिंग
पहुँचे- मुख्य क्रिया भूतकालिक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, कर्ता हम।
गाड़ी- जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, छूट रही थी क्रिया का कर्ता।
छूट रही थी- सकर्मक क्रिया, भूतकाल, सातत्यबोधक स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य अन्य पुरुष, कर्ता गाड़ी।

8. भारतीय सैनिक रणक्षेत्र में वीरता दिखाते हैं और शत्रुओं को सबक सिखाते हैं।
भारतीय- गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, विशेष्य-सैनिक।
सैनिक- जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक, 'दिखाते हैं' क्रिया का कर्ता।
रणक्षेत्र में- जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।
वीरता- भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक।
दिखाते हैं- सकर्मक क्रिया बहुवचन पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान कालिक कर्ता 'सैनिक'।
और- समानाधिकरण समुच्चयबोधक, दो वाक्यों को जोड़ने वाला।
शत्रुओं को- जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, कर्मकारक, पुल्लिंग।
सबक- भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।
सिखाते हैं- सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमानकालिक कर्ता 'सैनिक'।

9. उस गमले में तीन फूल खिले हैं।
उस- सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'गमला'।
गमले में- जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अधिकरण कारक, पुल्लिंग।
तीन- निश्चित संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, विशेष्य 'फूल'।
फूल- जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग कर्ताकारक, खिलना क्रिया का कर्ता।
खिले हैं- क्रिया वर्तमानकालिक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य।

10. वीरों की सदा जीत होती है।
वीरों की- जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक संबंध, शब्द 'जीत'।
सदा- कालवाचक क्रियाविशेषण, क्रिया के काल का बोधक।
जीत- भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
होती है- अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।

11. इस संसार में ईमानदारी दुर्लभ है।
इस- सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, संसार विशेष्य।
संसार में- जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।
ईमानदारी- भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य-विशेषण 'दुर्लभ'।
दुर्लभ- गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य ईमानदारी।

12. अरे! आप आ गए।
अरे!- विस्मयादिबोधक अव्यय, विस्मय का भाव प्रकट कर रहा है।
आप- मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

पद परिचय कैसे पहचानते है? -

सबसे पहले आपको संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण, अवधारक (निपात), संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक आदि के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

इसके बारे में संक्षिप्त जानकारी नीचे दी गई है-

1 - अगर शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, पक्षी, भाव, जाति आदि के बारे में बताता है, तो वह शब्द संज्ञा है।

2 - अगर शब्द किसी संज्ञा के स्थान पर शब्द का प्रयोग जैसे मेरा, मै, तुम, आपका, उस, वह आदि शब्द है, तो वह शब्द सर्वनाम है।

3 - अगर शब्द किसी वस्तु, स्थान, पशु, पक्षी आदि की विशेषता बताता है, अर्थात वह कैसा है - लंबा है, सुंदर है, डरावना है आदि, तो वह शब्द विशेषण है।

4 - अगर शब्द वाक्य में जो क्रिया है उसकी विशेषता बताता है, तो वह क्रिया विशेषण है। जैसे कि - क्रिया कब हो रही है (कल, अभी, दिनभर), क्रिया कैसे हो रही है (चुपचाप, अवश्य, तेजी से), क्रिया कहाँ हो रही है (अंदर, ऊपर, आसपास), क्रिया कितनी मात्रा में हो रही है (कम, पर्याप्त, ज्यादा)

5 - अगर शब्द किसी दो या अधिक संज्ञा और सर्वनाम के बीच का संबंध दर्शाता है, तो वह संबंधबोधक अव्यय है।
जैसे - के पास, के ऊपर, से दूर, के कारण, के लिए, की ओर।

6 - अगर शब्द किसी दो वाक्यों के बीच का संबंध दर्शाता है, तो वह समुच्चयबोधक अव्यय है।
जैसे - और, अतएव, इसलिए, लेकिन।

7 - अगर शब्द किसी विस्मय, हर्ष, घृणा, दुःख, पीड़ा आदि भावों को प्रकट करते है, तो वह विस्मयादिबोधक अव्यय है।
जैसे - अरे!, वाह!, अच्छा! आदि।

8 - अगर शब्द किसी बात पर ज्यादा भार दर्शाता है, तो वह निपात है।
जैसे - भी, तो, तक, केवल, ही।

उदाहरण के लिए कुछ वाक्य निचे दिए जा रहे हैं, जिनमें कुछ शब्द रेखांकित किए गए हैं। आपको इन रेखांकित पदों के पद परिचय दिया गया है।

1) आज समाज में विभीषणों की कमी नहीं है।

विभीषणों (देशद्रोहियों) – संज्ञा (जातिवाचक), बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक (कारक 'की)

2) रात में देर तक बारिश होती रहीं।
देर तक - क्रिया-विशेषण (कालवाचक)

3) हर्षिता निबंध लिख रही है।
लिख रही है - क्रिया (संयुक्त), स्त्रीलिंग, एकवचन, धातु 'लिख', वर्तमान काल, क्रिया का कर्ता 'हर्षिता', क्रिया का कर्म 'निबंध'

4) इस पुस्तक में अनेक चित्र है ।
अनेक - विशेषण (अनिश्चित संख्यावाचक), बहुवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'चित्र '

5) गांधीजी आजीवन मानवता की सेवा करते रहे ।
आजीवन - क्रिया-विशेषण (कालवाचक)

संज्ञा शब्द का पद परिचय

किसी भी संज्ञा पद के पद परिचय हेतु निम्न 5 बातें बतलानी होती है -
(1) संज्ञा का प्रकार
(2) उसका लिंग
(3) वचन
(4) कारक तथा
(5) उस शब्द का क्रिया के साथ सम्बन्ध

संज्ञा शब्द का क्रिया के साथ सम्बन्ध 'कारक'के अनुसार जाना जा सकता है।

राम पुस्तक पढ़ता है।

उक्त वाक्य में राम तथा ‘पुस्तक’शब्द संज्ञाएँ हैं। यहाँ इनका पद परिचय उक्त पाँचों बातों के अनुसार निम्नानुसार होगा -

राम - व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एक वचन, कर्ता कारक, ‘पढ़ता है’क्रिया का कर्ता।
पुस्तक - जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक, ‘पढ़ता है’क्रिया का कर्म।

सर्वनाम शब्द का पद परिचय

किसी सर्वनाम के पद परिचय निम्नलिखित बातों का उल्लेख करना होता है -
(1) सर्वनाम का प्रकार पुरुष सहित
(2) लिंग
(3) वचन
(4) कारक
(5) क्रिया के साथ सम्बन्ध आदि।

यह उसकी वही कार है, जिसे कोई चुराकर ले गया था।

इस वाक्य में ‘यह, ‘उसकी, ‘जिसे, तथा ‘कोई’पद सर्वनाम है। इनका पद परिचय इस प्रकार होगा-

यह - निश्चयवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, स्त्रीलिंग, एक वचन, सम्बन्ध कारक, ‘कार’ संज्ञा शब्द से सम्बन्ध।
जिसे - सम्बन्धवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन कर्मकारक, ‘चुराकर ले गया’ क्रिया का कर्म।
कोई - अनिश्चयवाचक सर्वनाम, अन्यपुरुष, पुल्लिंग एकवचन, कर्ता कारक, ‘चुराकर ले गया' क्रिया का कर्ता।

विशेषण शब्द का पद परिचय

किसी विशेषण शब्द के पद परिचय हेतु निम्न बातों का उल्लेख करना होता है-
(1) विशेषण का प्रकार
(2) अवस्था
(3) लिंग
(4) वचन
(5) विशेष्य व उसके साथ सम्बन्ध।

वीर राम ने सब राक्षसों का वध कर दिया।

उक्त वाक्य में 'वीर'तथा 'सब शब्द विशेषण हैं, इनका पद-परिचय निम्नानुसार होगा -

वीर - गुणवाचक विशेषण, मूलावस्था, पुल्लिंग, एकवचन, 'राम' विशेष्य के गुण का बोध कराता है।
सब - संख्यावाचक विशेषण, मूलावस्था, पुल्लिंग, बहुवचन, 'राक्षसों' विशेष्य की संख्या का बोध कराता है।

क्रिया शब्द का पद परिचय

क्रिया शब्द के पद परिचय में क्रिया का प्रकार, लिंग, वचन, वाच्य, काल तथा वाक्य में प्रयुक्त अन्य शब्दों के साथ सम्बन्ध को बतलाया जाता है।

राम ने रावण को मारा।

मारा - क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, भूतकाल। 'मारा' क्रिया का कर्ता राम तथा कर्म रावण।

मैं सवेरे उठा।

उठा - क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, भूतकाल। उठा क्रिया का कर्ता मैं, कर्म अन्वित।

अव्यय शब्द का पद परिचय

अव्यय शब्द चूंकि लिंग, वचन, कारक आदि से प्रभावित नहीं होता, अतः इनके पद परिचय में केवल अव्यय शब्द के प्रकार, उसकी विशेषता या सम्बन्ध ही बताया जाता है।

(1) क्रियाविशेषण – क्रियाविशेषण के भेद (रीतिवाचक, स्थानवाचक, कालवाचक, परिमाणवाचक) उस क्रिया का उल्लेख, जिसकी विशेषता बताई जा रही हो।

मैं भीतर बैठी थी और बच्चे धीरे-धीरे पढ़ रहे थे।

भीतर - क्रियाविशेषण, स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'बैठी'क्रिया के स्थान की विशेषता।
धीरे-धीरे - क्रियाविशेषण, रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'पढ़ रहे थे'क्रिया की रीति की विशेषता।

(2) संबंधबोधक - संबंधबोधक के भेद, किस संज्ञा/सर्वनाम से संबंद्ध है।

कुरसी के नीचे बिल्ली बैठी है।

के नीचे - संबंधबोधक, 'कुरसी' और 'बिल्ली' इसके संबंधी शब्द हैं।

(3) समुच्चयबोधक - भेदों का उल्लेख, जुड़ने वाले पदों का उल्लेख।

तुम कॉपी और किताब ले लो लेकिन फाड़ना नहीं।

और - समुच्चयबोधक (समानाधिकरण) कॉपी-किताब शब्दों का संबंध करने वाला।
लेकिन - भेद दर्शक (विरोध-दर्शक) तुम…………ले लो तथा 'फाड़ना नहीं इन दो वाक्यों को जोड़ता है।

(4) विस्मयादिबोधक **-** भेदों और भावों का उल्लेख।

वाह! कितना सुंदर बग़ीचा है। ठीक! मैं रोज़ आऊँगा।

वाह! - विस्मयादिबोधक, हर्ष - उल्लास
ठीक! - विस्मयादिबोधक, स्वीकार बोधक

कुछ अतिरिक्त उदाहरण -

(1) अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मै तरस गया ।
अपने – विशेषण (सार्वनामिक), एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'गाँव'
गाँव की – संज्ञा (जातिवाचक), एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक (कारक 'की')
मिट्टी – संज्ञा (द्रव्यवाचक)
मैं – सर्वनाम (उत्तम पुरुष), एकवचन, पुल्लिंग, 'तरस गया'क्रिया का कर्ता
तरस गया – क्रिया (अकर्मक, संयुक्त), भूतकाल, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, कर्ता "मै"

(2) निर्धन लोगो की ईमानदारी देखो ।
निर्धन – विशेषण (गुणवाचक), बहुवचन, पुल्लिंग, विशेष्य 'लोगो'
लोगो की – संज्ञा (जातिवाचक), बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक (कारक 'की')
ईमानदारी – संज्ञा (भाववाचक), कर्म कारक, 'देखो' क्रिया का कर्म
देखो – क्रिया (सकर्मक), बहुवचन, धातु 'देख', वर्तमानकाल, क्रिया का कर्म 'ईमानदारी'

(3) यह पुस्तक मेरे मित्र की है।

यह – विशेषण (सार्वनामिक), एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य 'पुस्तक'
पुस्तक – संज्ञा (जातिवाचक), एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक, 'है' क्रिया का कर्म
मेरे – सर्वनाम (पुरुषवाचक – उत्तम पुरुष), पुल्लिंग, एकवचन, संबंधकारक
मित्र की – संज्ञा (जातिवाचक), एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक (कारक 'की), 'है' क्रिया से संबंध
है – क्रिया, वर्तमानकाल, एकवचन

(4) नेहा यहाँ इसी मकान में रहती है।
नेहा – संज्ञा (व्यक्तिवाचक संज्ञा), स्त्रीलिंग,एकवचन, करता कारक, 'नेहा'रहना क्रिया की कर्ता है
यहाँ – क्रिया विशेषण (स्थानवाचक क्रिया विशेषण)
इसी – विशेषण (सार्वनामिक), पुल्लिंग, एकवचन, विशेष्य – 'मकान'
मकान में – संज्ञा (जातिवाचक), पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक (कारक 'में), मकान 'रहना'क्रिया का कर्म है
रहती है – क्रिया (सकर्मक), स्त्रीलिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य, 'रहती है 'क्रिया की कर्ता 'नेहा' और कर्म 'मकान'है

(5) अरे वाह! तुम भी पुस्तक पढ़ सकते हो।
अरे वाह! – विस्मयादिबोधक, आश्चर्य का भाव
तुम – सर्वनाम (मध्यमपुरुष), एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक, 'पढ़ सकते हो' क्रिया का कर्ता है
भी – निपात
पुस्तक – संज्ञा (जातिवाचक), स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक, पुस्तक 'पढ़ सकते हो'क्रिया का कर्म है
पढ़ सकते हो – क्रिया (सकर्मक), पुल्लिंग, एकवचन, अन्य पुरुष, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य, क्रिया का कर्ता तुम व कर्म पुस्तक

- रेखांकित पदों के पद परिचय बताईये।

२) रात में **देर तक** बारिश होती रहीं।
देर तक – क्रिया-विशेषण (कालवाचक)

३) हर्षिता निबंध **<u>लिख रही है</u>।**
लिख रही है – क्रिया (संयुक्त) , स्त्रीलिंग , एकवचन , धातु ‘लिख’ , वर्तमान काल , क्रिया का कर्ता ‘हर्षिता’ , क्रिया का कर्म ‘निबंध’

४) इस पुस्तक में **<u>अनेक</u>** चित्र है ।
अनेक – विशेषण (अनिश्चित संख्यावाचक) , बहुवचन , पुल्लिंग , विशेष्य ‘चित्र ‘

५) गांधीजी **<u>आजीवन</u>** मानवता की सेवा करते रहे ।
आजीवन – क्रिया-विशेषण (कालवाचक)

- **<u>उदाहरण</u>**
- *अपने गाँव की मिट्टी छूने के लिए मै तरस गया ।*

  अपने – विशेषण (सार्वनामिक) , एकवचन , पुल्लिंग , विशेष्य ‘गाँव’
  गाँव की – संज्ञा (जातिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , संबंधकारक (कारक ‘की’)
  मिट्टी – संज्ञा (द्रव्यवाचक)
  मैं – सर्वनाम (उत्तम पुरुष) , एकवचन , पुल्लिंग , ‘तरस गया’ क्रिया का कर्ता
  तरस गया – क्रिया (अकर्मक , संयुक्त) , भूतकाल , एकवचन , पुल्लिंग , कर्तृवाच्य , कर्ता “मै”

- *निर्धन लोगो की ईमानदारी देखो ।*

  निर्धन – विशेषण (गुणवाचक) , बहुवचन , पुल्लिंग , विशेष्य ‘लोगो’
  लोगो की – संज्ञा (जातिवाचक) , बहुवचन , पुल्लिंग , संबंध कारक (कारक ‘की’)
  ईमानदारी – संज्ञा (भाववाचक) , कर्म कारक , ‘देखो ‘ क्रिया का कर्म
  देखो – क्रिया (सकर्मक) , बहुवचन , धातु ‘देख’ , वर्तमानकाल , क्रिया का कर्म ‘ईमानदारी’

- *यह पुस्तक मेरे मित्र की है।*

  यह – विशेषण (सार्वनामिक) , एकवचन , स्त्रीलिंग ,विशेष्य ‘पुस्तक’
  पुस्तक – संज्ञा (जातिवाचक), एकवचन , स्त्रीलिंग , कर्म कारक , ‘है ‘ क्रिया का कर्म

मेरे – सर्वनाम (पुरुषवाचक – उत्तम पुरुष) , पुल्लिंग , एकवचन , संबंधकारक
मित्र की – संज्ञा (जातिवाचक), एकवचन , पुल्लिंग , संबंध कारक (कारक 'की') , 'है ' क्रिया से संबंध
है – क्रिया , वर्तमानकाल , एकवचन

- *नेहा यहाँ इसी मकान में रहती है।*

नेहा – संज्ञा (व्यक्तिवाचक संज्ञा) , स्त्रीलिंग ,एकवचन ,करता कारक , 'नेहा' रहना क्रिया की कर्ता है
यहाँ – क्रिया विशेषण (स्थानवाचक क्रिया विशेषण)
इसी – विशेषण (सार्वनामिक) ,पुल्लिंग , एकवचन , विशेष्य – 'मकान '
मकान में – संज्ञा (जातिवाचक) ,पुल्लिंग ,एकवचन ,अधिकरण कारक (कारक 'में'), मकान 'रहना' क्रिया का कर्म है
रहती है – क्रिया (सकर्मक), स्त्रीलिंग ,एकवचन , अन्य पुरुष , वर्तमानकाल , कर्तृवाच्य , 'रहती है ' क्रिया की कर्ता 'नेहा ' और कर्म 'मकान' है

- *अरे वाह ! तुम भी पुस्तक पढ़ सकते हो।*

अरे वाह ! – विस्मयादिबोधक , आश्चर्य का भाव
तुम – सर्वनाम (मध्यमपुरुष), एकवचन , पुल्लिंग , कर्ताकारक , 'पढ़ सकते हो ' क्रिया का कर्ता है
भी – निपात
पुस्तक – संज्ञा (जातिवाचक) , स्त्रीलिंग , एकवचन , कर्मकारक , पुस्तक 'पढ़ सकते हो' क्रिया का कर्म है
पढ़ सकते हो – क्रिया (सकर्मक) , पुल्लिंग ,एकवचन , अन्य पुरुष , वर्तमानकाल , कर्तृवाच्य , क्रिया का कर्ता तुम व कर्म पुस्तक

- *शाम तक वर्षा हो सकती है।*

शाम तक – क्रिया-विशेषण (कालवाचक) , हो सकती है क्रिया से संबंध
वर्षा – संज्ञा (जातिवाचक) , एकवचन , स्त्रीलिंग , अन्य पुरुष , कर्म कारक , 'हो सकती है ' क्रिया का कर्म है
हो सकती है – क्रिया (सकर्मक), स्त्रीलिंग , एकवचन , अन्य पुरुष , भविष्यकाल , कर्मवाच्य , क्रिया का कर्म 'वर्षा '

- *मै क्रिकेट खेलता हूँ।*

मै – सर्वनाम , (परुषवाचक – उत्तम पुरुष), पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक , 'खेलता हूँ ' क्रिया का कर्ता
क्रिकेट – संज्ञा , (जातिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , कर्म कारक , 'खेलता हूँ ' क्रिया का कर्म

खेलता हूँ – क्रिया (सकर्मक) , पुल्लिंग , एकवचन , उत्तम पुरुष , धातु – 'खेल' , वर्तमानकाल , कर्तृवाच्य , क्रिया का कर्ता 'मै ', क्रिया का कर्म 'क्रिकेट'

- *मयंक पतंग उड़ा रहा है।*

मयंक – संज्ञा (व्यक्तिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक , ' उड़ा रहा है ' क्रिया से संबंध
पतंग – संज्ञा (जातिवाचक), पुल्लिंग , एकवचन ,कर्म कारक ,'उड़ा रहा है ' क्रिया का कर्म
उड़ा रहा है – क्रिया(सयुंक्त क्रिया) , एकवचन , पुल्लिंग , अन्य पुरुष ,'उड़ ' धातु , वर्तमानकाल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'मयंक ' , क्रिया का कर्म 'पतंग'

- *डाकिया पत्र लाता है।*

डाकिया – संज्ञा(जातिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक , 'लाता है ' क्रिया का कर्ता
पत्र – संज्ञा (जातिवाचक) , पुल्लिंग , बहुवचन , कर्म कारक , 'लाता है ' क्रिया का कर्म
लाता है – क्रिया(सकर्मक) , पुल्लिंग , एकवचन ,अन्य पुरुष , 'ला ' धातु , वर्तमानकाल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'डाकिया ' , क्रिया का कर्म 'पत्र '

- *यह उपहार मैं तुम्हें नहीं दे सकता हूँ।*

यह – विशेषण (सार्वनामिक) , एकवचन , पुल्लिंग , विशेष्य 'उपहार '
उपहार – संज्ञा (व्यक्तिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , कर्म कारक , ' दे सकता हूँ ' क्रिया का कर्म
मैं – सर्वनाम (पुरुषवाचक – उत्तम पुरुष) , पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक , 'दे सकता हूँ' क्रिया का कर्ता
तुम्हें – सर्वनाम (पुरुषवाचक – मध्यम पुरुष) , पुल्लिंग , एकवचन , कर्म कारक , 'दे सकता हूँ ' क्रिया का कर्म
नहीं – क्रिया-विशेषण (नकारात्मक) , 'दे सकता हूँ ' क्रिया से संबंध
दे सकता हूँ – क्रिया (सयुंक्त क्रिया) , पुल्लिंग , एकवचन , उत्तम पुरुष , वर्तमानकाल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'मैं ' , क्रिया का कर्म 'उपहार '

- *उपवन में सुंदर फूल खिले है।*

उपवन में – संज्ञा (जातिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , अधिकरण कारक (कारक 'में ') , 'खिले है' क्रिया का कर्म
सुंदर – विशेषण (गुणवाचक) , मूलावस्था ,पुल्लिंग , बहुवचन , विशेष्य 'फूल '
फूल – संज्ञा (जातिवाचक) , पुल्लिंग , बहुवचन , कर्ता कारक , 'खिले है ' क्रिया का कर्ता
खिले है – क्रिया(अकर्मक) , पुल्लिंग , बहुवचन , अन्य पुरुष , धातु 'खिल' , वर्तमानकाल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'फूल'

- *पल्ल्वी प्रतिदिन पार्क में जाती है।*

पल्ल्वी – संज्ञा(व्यक्तिवाचक) , स्त्रीलिंग , एकवचन , कर्ता कारक , 'जाती है ' क्रिया का कर्ता
प्रतिदिन – क्रियाविशेषण (कालवाचक) , 'जाती है ' क्रिया से संबंध
पार्क में – संज्ञा (जातिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन ,अधिकरण कारक , 'जाती है' क्रिया का कर्म
जाती है – क्रिया (अकर्मक) , स्त्रीलिंग , एकवचन , अन्य पुरुष , धातु 'जा' , वर्तमानकाल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'पल्ल्वी'

- *छोटा बच्चा धीरे-धीरे चलता है।*

छोटा – विशेषण (गुणवाचक) , मूलावस्था , पुल्लिंग , एकवचन , विशेष्य 'बच्चा '
बच्चा – संज्ञा (जातिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक , ' चलता है' क्रिया का कर्ता
धीरे-धीरे – क्रिया-विशेषण (रीतिवाचक), 'चलता है ' क्रिया से संबंध
चलता है – क्रिया (अकर्मक) , पुल्लिंग , एकवचन , अन्य पुरुष , धातु 'चल ' , वर्तमान काल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'बच्चा'

- *धीरे-धीरे प्रभात होने लगा।*

धीरे-धीरे – क्रियाविशेषण (रीतिवाचक) , 'होने लगा ' क्रिया से संबंध
प्रभात – संज्ञा (जातिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , कर्ता कारक , 'होने लगा ' क्रिया का कर्म
होने लगा – क्रिया (सयुंक्त क्रिया) , पुल्लिंग , एकवचन , अन्य पुरुष , वर्तमान काल , कर्म वाच्य , क्रिया का 'प्रभात '

- *परिश्रम के बिना सफलता नहीं मिलती है।*

परिश्रम – संज्ञा (भाववाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , करण कारक , 'मिलती है' क्रिया का कर्म
के बिना – संबंधबोधक अव्यय
सफलता – संज्ञा (भाववाचक) , स्त्रीलिंग , एकवचन , कर्ता कारक , 'मिलती है' क्रिया का कर्म

नहीं – क्रिया-विशेषण (नकारात्मक)
मिलती है – क्रिया (सकर्मक) , स्त्रीलिंग , एकवचन , अन्य पुरुष , धातु 'मिल' , वर्तमान काल , कर्म वाचक , क्रिया का कर्म 'सफलता'

- *ताजमहल का सौन्दर्य अदभुत है।*

ताजमहल का – संज्ञा (व्यक्तिवाचक) , पुल्लिंग , एकवचन , संबंध कारक (कारक 'का') ,'है ' क्रिया का कर्ता
सौन्दर्य – संज्ञा (भाववाचक) , पुल्लिंग , एकवचन
अदभुत – विशेषण (गुणवाचक) , मूलावस्था , पुल्लिंग , एकवचन , विशेष्य 'सौंदर्य'
है – क्रिया (अकर्मक) , पुल्लिंग , एकवचन , अन्य पुरुष , वर्तमान काल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'ताजमहल'

- *बालक खेलता है।*

बालक – संज्ञा (जातिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , कर्ताकारक , 'खेलता है ' क्रिया का कर्ता
खेलता है – क्रिया (अकर्मक) , एकवचन , पुल्लिंग , धातु 'खेल ', कर्तृ वाच्य , वर्तमान काल , क्रिया का कर्ता 'बालक '

- *आसमान में तारे टिमटिमाते है।*

आसमान में – संज्ञा (जातिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , अधिकरण कारक (कारक 'में ')
तारे – संज्ञा (जातिवाचक) , बहुवचन , पुल्लिंग ,कर्ताकारक , 'टिमटिमाते है ' क्रिया का कर्ता
टिमटिमाते है – क्रिया (अकर्मक) , बहुवचन , पुल्लिंग , वर्तमान काल , कर्तृ वाच्य, क्रिया का कर्ता 'तारे'

- *आजकल बीमारी की वजह से सब लोग बहुत परेशान है।*

आजकल – क्रिया विशेषण (कालवाचक)
बीमारी की – संज्ञा (भाववाचक संज्ञा) , एकवचन , स्त्रीलिंग , संबंध कारक (कारक 'की ')
सब – विशेषण (अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण) , बहुवचन , विशेष्य 'लोग'
लोग – संज्ञा (जातिवाचक) , बहुवचन , पुल्लिंग , कर्ता कारक , 'है ' क्रिया का कर्ता
बहुत – प्रविशेषण
परेशान – विशेषण (गुणवाचक) , पुल्लिंग , विशेष्य 'लोग '
हैं – क्रिया (अकर्मक) ,बहुवचन ,वर्तमान काल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'लोग '

- *रंगबिरंगी तितलियाँ उड़ रही है।*

रंगबिरंगी – विशेषण (गुणवाचक) , स्त्रीलिंग , बहुवचन , विशेष्य 'तितलियाँ '
तितलियाँ – संज्ञा (जातिवाचक) , बहुवचन , स्त्रीलिंग , कर्ता कारक , 'उड़ रही है ' क्रिया का कर्ता
उड़ रही है – क्रिया (संयुक्त) , बहुवचन , स्त्रीलिंग , धातु 'उड़ ' , वर्तमानकाल , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'तितलियाँ '

- *रानी को पुरस्कार मिला।*

रानी को – संज्ञा (व्यक्तिवाचक) , एकवचन , स्त्रीलिंग , कर्मकारक
पुरस्कार – संज्ञा (जातिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , कर्मकारक , 'मिला ' क्रिया का कर्म
मिला – क्रिया (सकर्मक) , एकवचन , पुल्लिंग , भूतकाल , कर्म वाच्य ,क्रिया का कर्म 'पुरस्कार '

- *सरिता मेरी बहन है।*

सरिता – संज्ञा (व्यक्तिवाचक) , एकवचन , स्त्रीलिंग , कर्ताकारक , 'है ' क्रिया का कर्ता
मेरी – सर्वनाम(पुरुषवाचक – उत्तम) , एकवचन , स्त्रीलिंग , संबंध कारक
बहन – संज्ञा (जातिवाचक) , एकवचन , स्त्रीलिंग
है – क्रिया , एकवचन , वर्तमान काल ,कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'सरिता '

- *तुम लोगो की दुर्बलता के कारण हम हार गए।*

तुम – सर्वनाम (पुरुषवाचक – मध्यम पुरुष) , बहुवचन
लोगो की – संज्ञा (जातिवाचक) , बहुवचन , संबंधकारक (कारक 'की ')
दुर्बलता – संज्ञा (भाववाचक)
के कारण – संबंधबोधक अव्यय
हम – सर्वनाम (पुरुषवाचक – उत्तम पुरुष) , बहुवचन , कर्ता कारक , 'हर गए ' क्रिया का कर्ता
हार गए – क्रिया (संयुक्त) , बहुवचन , वर्तमान काल , धातु 'हार ', कर्तृ वाच्य क्रिया का कर्ता 'हम'

- *यह छात्र बहुत चतुर है।*

यह – विशेषण (सार्वनामिक) , एकवचन , पुल्लिंग , विशेष्य 'छात्र'
छात्र – संज्ञा (जातिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , कर्ताकारक , 'है ' क्रिया का कर्ता
बहुत – प्रविशेषण
चतुर – विशेषण (गुणवाचक) , विशेष्य 'छात्र'
है – क्रिया (अकर्मक) , एकवचन , पुल्लिंग , वर्तमानकाल , कर्तृ वाच्य ,क्रिया का कर्ता 'छात्र'

- *तुम देर तक किसे देख रहे थे?*

तुम – सर्वनाम (पुरुषवाचक – मध्यम पुरुष) , एकवचन , पुल्लिंग , कर्ता कारक , 'देख रहे थे ' क्रिया का कर्ता
देर तक – क्रिया विशेषण (कालवाचक) ,'देख रहे थे ' क्रिया से संबंध
किसे – प्रश्नवाचक शब्द
देख रहे थे – क्रिया (संयुक्त) , एकवचन , पुल्लिंग , भूतकाल , धातु 'देख' ,कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'तुम '

- *रात को अचानक वर्षा होने लगी।*

रात को – क्रिया विशेषण (कालवाचक) , 'होने लगी ' क्रिया से संबंध
अचानक – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक) , 'होने लगी ' क्रिया से संबंध
वर्षा – संज्ञा (जातिवाचक) , स्त्रीलिंग , कर्मकारक , 'होने लगी ' क्रिया का कर्म
होने लगी – क्रिया (संयुक्त) , स्त्रीलिंग , भूतकाल , कर्मवाच्य , क्रिया का कर्म'वर्षा '

- *राहुल धीरे-धीरे कच्चे आम खाता है।*

राहुल – संज्ञा (व्यक्तिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , कर्ताकारक , 'खाता है ' क्रिया का कर्ता
धीरे-धीरे – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक) , 'खाता है ' क्रिया से संबंध
कच्चे – विशेषण (गुणवाचक) , मूलावस्था , बहुवचन , पुल्लिंग , विशेष्य 'आम '
आम – संज्ञा (जातिवाचक) , बहुवचन , पुल्लिंग , कर्मकारक , 'खाता है ' क्रिया का कर्म
खाता है – क्रिया (सकर्मक) , पुल्लिंग , एकवचन , वर्तमानकाल , धातु 'खा ' , कर्तृ वाच्य , क्रिया का कर्ता 'राहुल ' , क्रिया का कर्म 'आम '

- *मैं रोज धीरे-धीरे चलता हूँ।*

मैं – सर्वनाम (पुरुषवाचक-उत्तम पुरुष),पुल्लिंग,एकवचन,कर्ताकारक ,'चलता हूँ' क्रिया का कर्ता
रोज – क्रिया विशेषण (कालवाचक),'चलता हूँ ' क्रिया का काल बताता है
धीरे-धीरे – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक),'चलता हूँ ' क्रिया की रीति बताता है
चलता हूँ – अकर्मक क्रिया , सामान्य वर्तमानकाल,पुल्लिंग ,एकवचन ,'मै ' कर्ता की क्रिया

- *आह! उपवन में सुंदर फूल खिले है।*

आह! – विस्मयादिबोधक ,हर्षसूचक
उपवन में – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन,अधिकरण कारक (में)
सुंदर – विशेषण (गुणवाचक),पुल्लिंग,बहुवचन ,'फूल ' विशेष्य
फूल – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग,बहुवचन,कर्ताकारक ,'खिले है ' क्रिया का कर्ता
खिले है – अकर्मक क्रिया ,सामान्य वर्तमान काल ,पुल्लिंग,एकवचन,'मै ' कर्ता की क्रिया

- *राहुल यहाँ दूसरी कोठी में रहता था।*

राहुल – संज्ञा (व्यक्तिवाचक) , एकवचन , पुल्लिंग , कर्ताकारक , 'रहता था ' क्रिया का कर्ता
यहाँ – क्रिया विशेषण (स्थानवाचक),'रहता था ' क्रिया का स्थान सूचक
दूसरी – विशेषण (संख्यावाचक),स्त्रीलिंग ,एकवचन,विशेष्य-कोठी
कोठी में – संज्ञा (जातिवाचक),स्त्रीलिंग,एकवचन,अधिकरण कारक (में)
रहता था – क्रिया(अकर्मक),'रह' धातु ,एकवचन,अन्य पुरुष,भूतकाल,कर्तृवाच्य ,'राहुल ' क्रिया का कर्ता है

- *हम बाग़ में गए, परंतु वहाँ कोई आम नहीं मिला।*

हम – सर्वनाम (पुरुषवाचक -उत्तमपुरुष),पुल्लिंग,बहुवचन,कर्ताकारक ,'गए ' क्रिया का कर्ता
बाग़ में – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग ,एकवचन,अधिकरणकारक (में **)**
गए – क्रिया (अकर्मक),'जा ' धातु ,उत्तम पुरुष ,पुल्लिंग,बहुवचन,भूतकाल,कर्तृवाच्य,'हम ' क्रिया का कर्ता है
परंतु – समुच्चयबोधक (व्यधिकरण **)**
वहाँ – क्रिया विशेषण (स्थानवाचक **)**
कोई – विशेषण (संख्यावाचक -अनिश्चित),पुल्लिंग,एकवचन,'आम ' विशेष्य
आम – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग ,एकवचन ,कर्मकारक

नहीं – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक **)**
मिला – क्रिया (सकर्मक),'मिल' धातु ,अन्य पुरुष ,पुल्लिंग,एकवचन,भूतकाल,कर्तृवाच्य('हमें ' कर्ता का लोप है) ,'आम 'क्रिया का कर्म है

- *रेखा पत्र लिखती है।*

रेखा – संज्ञा (व्यक्तिवाचक),स्त्रीलिंग ,एकवचन,कर्ता ,'लिखती है ' क्रिया का कर्ता
पत्र – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग ,एकवचन ,कर्मकारक ,'लिखती है ' क्रिया का कर्म
लिखती है – सकर्मक क्रिया ,कर्तृवाच्य ,स्त्रीलिंग ,वर्तमानकाल ,अन्य पुरुष ,एकवचन ,'रेखा ' क्रिया का कर्ता है ,कर्तृवाच्य

- *वह क्या पढ़ रही है ?*

वह – सर्वनाम (पुरुषवाचक),स्त्रीलिंग ,एकवचन ,कर्ताकारक ,'पढ़ रही है ' क्रिया का कर्ता
क्या – सर्वनाम (प्रश्नवाचक),अन्य पुरुष ,पुल्लिंग,एकवचन,कर्मकारक ,'पढ़ रही है ' क्रिया का कर्म
पढ़ रही है – क्रिया (अकर्मक),स्त्रीलिंग ,एकवचन,वर्तमानकाल,कर्तृवाच्य ,कर्तृवाच्य

- *भारत अनेक स्त्रोतों में हथियार प्राप्त करेगा।*

भारत – संज्ञा (व्यक्तिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन ,कर्ताकारक ,'प्राप्त करेगा ' क्रिया का कर्ता
अनेक – विशेषण (संख्यावाचक -अनिश्चित),बहुवचन ,विशेष्य स्त्रोतों
स्त्रोतों से – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग ,बहुवचन ,अपादान कारक (से **)**
हथियार – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग,बहुवचन ,कर्मकारक ,'प्राप्त करेगा ' क्रिया का कर्म
प्राप्त करेगा – क्रिया (सकर्मक),अन्य पुरुष ,एकवचन,कर्तृवाच्य ,'भारत ' क्रिया का कर्ता है ,'हथियार ' क्रिया का कर्म है

- *जो अपनी बात को नहीं रखता , वह विश्वास के योग्य नहीं है।*

जो – सर्वनाम (संबंधवाचक), अन्यपुरुष ,पुल्लिंग,एकवचन,कर्ताकारक ,'रखता है ' क्रिया का कर्ता
अपनी – विशेषण (सार्वनामिक),स्त्रीलिंग ,एकवचन, विशेष्य 'बात '
बात को – संज्ञा (भाववाचक),स्त्रीलिंग,एकवचन ,कर्मकारक ,'रखता ' क्रिया का कर्म
नहीं – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक **)**
रखता – क्रिया (सकर्मक),कर्तृवाच्य ,पुल्लिंग,एकवचन ,वर्तमानकाल ,'जो ' क्रिया का कर्ता है ,'बात ' क्रिया का कर्म है

वह-सर्वनाम (निश्चयवाचक), अन्य पुरुष ,एकवचन , कर्ताकारक ,'है ' क्रिया का कर्ता
विश्वास के – संज्ञा (भाववाचक),पुल्लिंग,एकवचन,संबंधकारक
योग्य – विशेष्य (गुणवाचक),'वह ' विशेष्य
नहीं – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक-निषेधात्मक)
है – अपूर्ण क्रिया ,पुल्लिंग,एकवचन,वर्तमानकाल,कर्तृवाच्य ,'वह ' कर्ता की क्रिया

- *मैं पिछले साल उसे लखनऊ में मिला था।*

मैं – सर्वनाम (पुरुषवाचक – उत्तमपुरुष),पुल्लिंग,एकवचन ,कर्ताकारक,'मिला था ' क्रिया का कर्ता
पिछले – विशेषण (),विशेष्य -साल
साल – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन ,अधिकरण कारक
उसे – पुरुषवाचक सर्वनाम (अन्य पुरुष),पुल्लिंग/स्त्रीलिंग ,एकवचन,कर्मकारक
लखनऊ में – संज्ञा (व्यक्तिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन,अधिकरण कारक (में **)**
मिला था – क्रिया (सकर्मक),भूतकाल ,पुल्लिंग,एकवचन,'मै ' क्रिया का कर्ता ,'उसे 'क्रिया का कर्म ,कर्तृवाच्य

- *लड़कियों ने बाग में आकर फूल चुने।*

लड़कियों ने – संज्ञा (जातिवाचक),स्त्रीलिंग ,बहुवचन ,अन्य पुरुष ,कर्ताकारक ,'चुने ' क्रिया का कर्ता
बाग में – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन,अधिकरण कारक ,'चुने ' क्रिया का कर्म
आकर – क्रिया (),स्त्रीलिंग,बहुवचन ,कर्मवाच्य
फूल – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग ,बहुवचन ,कर्मकारक ,अन्य पुरुष ,'चुने ' क्रिया का कर्म
चुने – क्रिया (द्विकर्मक),पुल्लिंग,बहुवचन ,भूतकाल,कर्मवाच्य ,'लड़कियों ' क्रिया का कर्ता ,'फूल ' क्रिया कर्म

- *शीत ऋतु में हिमालय का क्षेत्र पूर्णतया बर्फ से ढक जाता है और वहाँ जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।*

शीत – विशेषण (गुणवाचक),'ऋतु ' विशेष्य
ऋतु में – संज्ञा (जातिवाचक),स्त्रीलिंग,एकवचन,अधिकरण कारक (में **)**
हिमालय का – संज्ञा (व्यक्तिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन,संबंधकारक
क्षेत्र – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन ,कर्ताकारक ,'ढक जाता है ' क्रिया का कर्ता
पूर्णतया – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक **)**

बर्फ से – संज्ञा (जातिवाचक),स्त्रीलिंग,एकवचन ,करण कारक
ढक जाता है – क्रिया (),पुल्लिंग,एकवचन,वर्तमानकाल ,कर्तृवाच्य,'क्षेत्र ' कर्ता की क्रिया
और – समुच्चयबोधक (समानाधिकरण **)**
वहाँ – क्रियाविशेषण (स्थानवाचक **)**
जनजीवन – संज्ञा (भाववाचक),पुल्लिंग,एकवचन,कर्ताकारक ,'हो जाता है ' क्रिया का कर्ता
अस्त-व्यस्त – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक)
हो जाता है – क्रिया (अकर्मक),पुल्लिंग,एकवचन,वर्तमानकाल ,कर्तृवाच्य ,'जनजीवन ' क्रिया का कर्ता है

- *आनंद यहाँ दसवीं कक्षा में पढ़ता था।*

आनंद – संज्ञा (व्यक्तिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन,कर्ताकारक ,'पढ़ता था ' क्रिया का कर्ता
यहाँ – विशेषण (स्थानवाचक)
दसवीं – विशेषण (संख्यावाचक),स्त्रीलिंग ,एकवचन ,'कक्षा ' विशेष्य
कक्षा में – संज्ञा (जातिवाचक),स्त्रीलिंग,एकवचन ,अधिकरण कारक (में)
पढ़ता था – क्रिया (अकर्मक),अन्यपुरुष,पुल्लिंग,एकवचन,भूतकाल ,कर्तृवाच्य ,'आनंद ' कर्ता है

- *उन्होंने महान विद्वानों आदर किया।*

उन्होंने – सर्वनाम(पुरुषवाचक -अन्यपुरुष),पुल्लिंग,बहुवचन,कर्ताकारक ,'किया ' क्रिया का कर्ता
महान – विशेषण (गुणवाचक),पुल्लिंग,बहुवचन ,'विद्वानों ' विशेष्य
विद्वानों का – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग,एकवचन,अन्यपुरुष,कर्मकारक ,'किया ' क्रिया का कर्म
आदर – संज्ञा (भाववाचक),पुल्लिंग,एकवचन,अन्यपुरुष,कर्मकारक ,'किया ' क्रिया का कर्म
किया – क्रिया (सकर्मक),पुल्लिंग,एकवचन,अन्यपुरुष,भूतकाल,कर्मवाच्य ,'आदर 'क्रिया का कर्म है

- *लड़के और लड़कियाँ पंक्तिबद्ध खड़े थे।*

लड़के – संज्ञा (जातिवाचक), बहुवचन,पुल्लिंग,कर्ताकारक ,अन्य पुरुष,' खड़े थे ' के कर्ता
और – समुच्चयबोधक (समानाधिकरण **)**
लड़कियाँ – संज्ञा (जातिवाचक), बहुवचन,स्त्रीलिंग ,कर्ताकारक ,अन्य पुरुष,' खड़े थे ' के कर्ता

पंक्तिबद्ध – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक)
खड़े थे – क्रिया (सकर्मक),पुल्लिंग,बहुवचन ,अन्यपुरुष ,भूतकाल,कर्तृवाच्य ,'लड़के ','लड़कियाँ ' क्रिया के कर्ता

- *उससे किताब नहीं पढ़ी गई।*

उससे – सर्वनाम (पुरुषवाचक -अन्यपुरुष),पुल्लिंग ,एकवचन ,करणकारक ,'पढ़ी गई ' क्रिया का कर्ता
किताब – संज्ञा (जातिवाचक),स्त्रीलिंग,एकवचन,अन्य पुरुष,कर्मकारक ,'पढ़ी गई ' क्रिया कर्म
नहीं – क्रिया विशेषण (रीतिवाचक)
पढ़ी गई – क्रिया (सकर्मक),स्त्रीलिंग,एकवचन,अन्यपुरुष,कर्मवाच्य ,'किताब ' क्रिया का कर्म है

- *हम सब वहाँ पहुंचे , परंतु गाड़ी चली गई थी।*

हम – सर्वनाम (पुरुषवाचक -उत्तमपुरुष),पुल्लिंग,बहुवचन ,कर्ताकारक ,'पहुंचे ' कर्ता
सब – विशेषण (संख्यावाचक),पुल्लिंग,बहुवचन,अन्यपुरुष ,'हम ' विशेष्य
वहाँ – क्रिया विशेषण(स्थानवाचक)
पहुंचे – क्रिया (अकर्मक),पुल्लिंग,बहुवचन,भूतकाल,कर्तृवाच्य ,'हम ' कर्ता
परंतु – समुच्चयबोधक (समानाधिकरण **)**
गाड़ी – संज्ञा (जातिवाचक),स्त्रीलिंग ,एकवचन ,कर्मकारक ,'चली गई थी ' कर्म
चली गई थी – क्रिया (सकर्मक),स्त्रीलिंग,एकवचन,अन्य पुरुष,भूतकाल,कर्मवाच्य

- *एवरेस्ट संसार का सबसे ऊँचा शिखर है।*

एवरेस्ट – संज्ञा (व्यक्तिवाचक),पुल्लिंग ,एकवचन,अन्यपुरुष ,'है ' क्रिया का कर्ता ,कर्ताकारक
संसार का – संज्ञा (जातिवाचक),पुल्लिंग ,एकवचन ,अन्यपुरुष ,संबंधकारक (का **)**
सबसे – विशेषण की उत्तमावस्था दर्शाता है
ऊँचा – विशेषण (गुणवाचक),एकवचन ,पुल्लिंग,'शिखर विशेष्य **'**
शिखर – संज्ञा (जातिवाचक),एकवचन ,पुल्लिंग ,कर्मकारक ,'है ' क्रिया का कर्म
है – क्रिया (अपूर्ण),कर्तृवाच्य ,'एवरेस्ट ' क्रिया का कर्ता है

- *मैं कल बीमार था इसलिए गाँव नहीं गया।*

मैं – पुरुषवाचक सर्वनाम ,उत्तम पुरुष ,पुल्लिंग ,एकवचन ,कर्ताकारक
कल -कालवाचक क्रियाविशेषण
बीमार – गुणवाचक विशेषण , मूलावस्था ,एकवचन , पुल्लिंग , 'मैं ' विशेष्य
था – क्रिया , भूतकाल , एकवचन ,कर्तृवाच्य , अन्यपुरुष , 'मैं ' क्रिया का कर्ता है
इसलिए – समुच्चयबोधक अव्यय ,व्यधिकरण
गाँव – जातिवाचक संज्ञा , पुल्लिंग ,एकवचन
नहीं – निषेधात्मक क्रियाविशेषण
गया – क्रिया ,पुल्लिंग , एकवचन , कर्तृवाच्य , 'मैं ' क्रिया का कर्ता

- *जब वे घर पहुंचे तो पहुँचे तो कुसुम पढ़ रही थी।*

जब – पुरुषवाचक सर्वनाम ,अन्य पुरुष ,बहुवचन ,पुल्लिंग ,कर्ताकारक , 'पहुँचे ' क्रिया का कर्ता
वे – पुरुषवाचक सर्वनाम , अन्य पुरुष , बहुवचन , पुल्लिंग , 'पहुंचे ' क्रिया का कर्ता
घर – जातिवाचक संज्ञा ,पुल्लिंग ,एकवचन ,कर्मकारक
पहुंचे – अकर्मक क्रिया , पुल्लिंग , बहुवचन , कर्तावाच्य ,'वे ' क्रिया कर्ता है
तो – निपात
कुसुम – व्यक्तिवाचक संज्ञा , स्त्रीलिंग ,एकवचन , कर्ताकारक , 'पढ़ रही थी ' क्रिया का कर्ता
पढ़ रही थी – सकर्मक क्रिया ,भूतकाल,स्त्रीलिंग ,एकवचन , कर्तृवाच्य ,अन्यपुरुष , 'कुसुम ' क्रिया का कर्ता

- *जल्दी चलो , गाड़ी जाने वाली है।*

जल्दी – रीतिवाचक क्रियाविशेषण
चलो – अकर्मक क्रिया , बहुवचन ,पुल्लिंग
गाड़ी – जातिवाचक संज्ञा ,स्त्रीलिंग , एकवचन , कर्ताकारक , 'जाने वाली है ' क्रिया कर्ता
जाने वाली है – अकर्मक क्रिया , स्त्रीलिंग , एकवचन

Bikash Sir (Hindi Teacher)